



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

मं० ८] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी २०, १९९९ (फाल्गुन १, १९२०)  
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 20, 1999 (PHALGUNA 1, 1920)

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part so that it may be filed as a separate compilation)

**भाग III—खण्ड 4**  
**[PART III—SECTION 4]**

[सांविधानिक तिकायों द्वारा जारी को गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं।]

**[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]**

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कायासिय

## मरकारी और बैंक ऐसा विभाग

मुम्बई, दिनांक

## सूची "क"

प्रतिभूतियों का क्रमांक	मूल्य रु./ग्राम	किसके नाम से जारी की गई	व्याज व्यापारित किये जाने की तारीख	दुप्लिकेट जारी करने/भुगतान मूल्य की अदायगी के लिये दावेदार(रों) का/के नाम	जारी किये गये आदेश की सं० तथा तारीख
1	2	3	4	5	6

## 10% राहत बाट 1995 (कानपुर सर्केल)

के० एन० ०००५७० १०,००,००० रियू मेहरोडा एवं उमिला मेहरोडा एवं उमिला मेहरोडा, प्राई० प्रार० ७२१/६७ दिनांक ११ नवम्बर १९९८ (फाइल सं० ०९.१२.२६६)

## 3% परिवर्तन ज्ञान 1946 (कलाकार सर्केल)

सी० ए० ३०२३९० ४०००/- रु० कुल सचिव, उत्तरकाल विष्वविद्यालय ४४ वां अर्थ वर्ष कुल सचिव, सम्पादक प्रबन्ध तक का व्याज प्रवा किया गया है।

विद्यालय

फाइल सं० प्राई० २५३० दिनांक १९ नवम्बर १९९८ का महाप्रबन्धक का आदेश देखें दिनांक १९ नवम्बर १९९८ का शी० प्राई० सं० एल० सी० ओ०/६०

## 5 3/4% ज्ञान 2003 (मुम्हई सर्केल)

बी०वाय० ००९३३६ १५०००/- बैंक भारत बड़ौदा १२.५.१९८४ न्यासी, वाडर लि० कर्मचारी भविष्य निधि

मामला सं० २०-०४-१९८७ महाप्रबन्धक के दिन० ०२-१-१९९० के आदेश तथा के० का० डायरी सं० ५८६, दिनांक ०४-१-१९९९

बी वाय ००९३४१	०५,०००/-	वही	वही	वही	वही
बी० वाय ०१५१३२	०१,०००/-	वही	वही	वही	वही
बी० वाय ०१५१३३	०१,०००/-	वही	वही	वही	वही
बी० वाय ०१५१३४	०१'०००/-	वही	वही	वही	वही
बी० वाय ०१५२४५	१०,०००/-	वही	वही	वही	वही
बी० वाय ०१५२४६	१०,०००/-	वही	वही	वही	वही

## सूची "ख"

प्रतिभूतियों का क्रमांक	मूल्य रु./ग्राम	किसके नाम से जारी की गई	व्याज व्यापारित किये जाने की तारीख	दुप्लिकेट जारी करने/भुगतान मूल्य की अदायगी के लिये दावेदार(रों) का/के नाम	जारी किये गये आदेश की सं० तथा तारीख
1	2	3	4	5	6

## स्वर्ण बाट 1998 (मुम्हई सर्केल)

श्री वाई/प्रार० सी० ए०/ ५१३ ग्राम ००१४२४ श्री भगवती प्रसाद चिह्नोत्तिया ०९-०६-१९९३ (प्रवधि समाप्त पर देप)

मामला सं० २०.०४.२०.९१ महाप्रबन्धक के दिनांक ११ नवम्बर १९९८ के आदेश तथा केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० ४३५ दिनांक १२-११-१९९८

श्री वाई/प्रार० सी० ए०/ ५२३ ग्राम २००२३२ राहुल सिंहोत्तिया वही राहुल सिंहोत्तिया (माइनर) वही

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

## 9% राहत कांड 1987 (नई विली सर्कल)

श्री एच-04424 3,50,000/- शुभ्री हक्सर एवम् विमीत फोहि नहीं शुभ्री हक्सर एवम् विमीत हक्सर पी० श्री० ओ० श्री० ई०/एस० एन 2/98 विनाक 14-10-1998  
हक्सर

श्री० एच 04364 2,50,000/- विमीत हक्सर एवम् वही वही विमीत हक्सर एवम् शुभ्री हक्सर वही  
हक्सर

## स्वर्ण बांड (बम्बई सर्कल)

श्री वाई/एस एस ए/ 500 ग्राम स्वर्ण 20-5-1993 श्री अविनाश चत्तर एवम् श्री अविनाश चत्तर एवम् शुभ्री सामाला सं० 20-04-2085  
000151 तक 000157 प्रत्येक मुश्त्री नीलिमा गुप्ता (अवधि समाप्ति नीलिमा गुप्ता महाप्रबन्धक के विनाक 06-10-1998 के आवेदन तथा उसी तारीख की केन्द्रीय कार्यालय द्वारा री सं 320के  
पर वेय)

श्री वाई/एस एस ए/ 985 ग्राम स्वर्ण वही वही वही वही वही

## 10% राहत बांड 1993 (एन सी) (बम्बई सर्कल)

एम एस-000070 25,000/- सी० एन० कमलाधी और के० 4-6-93 के० बुवनेश्वरादू श्री० एम० जयरी स० 14 विनाक  
बुवनेश्वरादू 23-10-1998

## 9% राहत बांड 1993 (एन० सी०) (बम्बई सर्कल)

एम एस-000174 50,000/- सी० एन० कमलाधी और के० 10-10-94 के० बुवनेश्वरादू वही

एम एस-000191 45,000/- वही 27-10-94 वही वही

## 10% राहत बांड 1993 (एन० सी०)

एम एस-000319 30,000/- सी० एन० कमलाधी और 25-07-96 के० बुवनेश्वरादू श्री० एम० जयरी स० 14, विनाक  
के० बुवनेश्वरादू 28-10-1998

एम एस-000293 40,000/- वही 20-08-96 वही वही

## 10% राहत बांड 6993 (भायजला सर्कल)

श्री सी०-000873 5,00,000/- ईना फर्निंस वेलोप (मृत) 19-08-93 हैवर डिस्ट्री 6.25.25/2.11.98  
हैवर डिस्ट्री

## 9% राहत बांड पह, 1993 (भायजला सर्कल)

श्री सी०-001300 7,00,000/- नटवर मूलधन पारेख 8-11-94 जयस्ती नटवर पारेख 6.25.22/11.11.98  
से 001306 तक (7×1,00,000) (मृत) जयस्ती नटवर  
पारेख

श्री सी०-001307 15,00,000/- जयस्ती नटवर पारेख 8.11.94. जयस्ती नटवर पारेख वही  
से 001321 तक (15×1,00,000) नटवर मूलधन पारेख

## कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(केन्द्रीय कार्यालय)

मर्ह विल्ली-110 066, विनांक 21 जनवरी 1999

सं. 2/1959/डी.एल.आई./एकजम/89/भाग-2/36010

जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कांडे अलग अंशवान या प्रीमियम की

अद्यायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निधिपे सहवाद बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा ध्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. तथा तिथि जो प्रस्तोक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहमें हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपयोगों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना के आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	सरकारी अधिसूचना की सं. व विनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट प्राप्ति की तिथि	छूट विस्तार के भ. नि. आ. सं.
1	2	3	4	5	6
1.	मै.० दि. सूरत डिस्ट्रिक्ट को. आप.० स्पिनिंग मिल्स लि.० बर्ड रोड, सूरत-395006	जीजे/4148	2/1959/डी.एल.आई./एकजम/89/पी.०.टी.०-१, विनांक 6-4-93	30-6-९५ १-७-९५ ३०-६-९७ से १-७-९७	2/3864/91/ डी.०.एल.०आई.० ३०-६-२०००
2.	मै.० गुजरात स्टेट फटी नाइजर कं.० लि.०, फाईबर थूनिट एट एण्ड पी.० ओ० अर्व तल, हसंट जिला भरुच	जीजे/५२३८-वी	-वही- विनांक 31-५-९५	31-५-९६ १-६-९६ ३१-५-९९ से २/५३२६/९३/ ३१-५-९९	
3.	मै.० दि. सूरत डिस्ट्रिक्ट को. आप.० बैंक लि.०, रजि.० अफिस, जे.० डी.० रोड, अथवा गेट, सूरत	जीजे/४६७२	-वही- विनांक 6-४-९३	२६-८-०५ २७-८-९५ २६-८-९८ से २/२११/७९/ ३१-५-९९	
4.	मै.० प्रफैक्ट कलरेन्ट्स एण्ड प्लास्टिक्स (प्रा.) लि.०, ८५ जी आई डी सी इन्डस्ट्रियल एस्टेट, बाणोविया-३९१७६०	जीजे/८०३०५	-वही- विनांक २६-१०-९७	२८-२-९४ १-३-९४ २८-२-२००१ से २/१४/९५/ २८-२-२००१	

## अनुसूची-2

- उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणों भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विवृत करें।

- नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संशय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बारे के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

- सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा

प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आपीद भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य वातों का अन्वाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त संविधानम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजन किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संक्षिप्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें ऐक कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हैं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की गत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वश में संदेश होता है तो उब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी के भविष्यक वारिसों/नाम निवैशितों को प्रतिकार के रूप में वोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संविधित भवेतीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां अंग्रेजी भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों की अपना ईस्टकोण समष्ट करने का यूक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, उसे स्थापना पहले अपना चक्री है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि है उम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत सारीला के भीन जो जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पानिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियंत्रक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम को दशा में उन गृह सवालों के नाम निवैशितों या विधिक वारिसों के यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकार नियंत्रक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के वधीन आने वाले किसी सवस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैशितों/विधिक वारिसों के बीमाकृत राशि का संदाय तस्वीर से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुभिवित करेगा।

के. ए. विवेदी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1969/डी. एल. आइ./एक्जस./89/भाग-2/  
36018—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधीनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबृक्ष बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधीनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिभूमिका से, तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्भारित शब्दों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उसके नाम के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची—1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	सरकारी अधिसूचना की सं। व विनांक जिसके द्वारा छूट प्रशान्ति/विस्तार की गई	छूट प्राप्ति की तिथि	छूट विस्तार के भ. नि. आ० की तिथि	फाइल सं.
1.	मै० ए० सी० सी० लि० पी० श्री० ओब्ला इन्डस्ट्रियल एस्टेट, मथुरा रोड, मई दिल्ली-20	डी एल/ 127	2/1959/डी एल आई/ एकजम/89/पीटी-1 विनांक 10-12-92	26-11-94	27-11-94 से 26-11-97 27-11-97 से 26-11-2000	2/658/80 डी० एल० आई०
2.	मै० रोनक इंटरनेशनल लि० 13वी मंजिल चिरंजीव टॉवर 43 नेहरू प्लॉय, नई दिल्ली-19	डी एल/ 2229	वही विनांक 27-8-92	3-12-94	4-12-94 से 3-12-97 डी० एल० आई० 4-12-97 से 3-12-2000	3/6/97
3.	मै० चौधरी इंटरनेशनल प्रा० लि० 303 अंसल भवन, 16, के०जी० मार्ग, नई दिल्ली-110001	डी एल/ 3551	वही विनांक 27-8-92	31-10-92	1-11-92 से 1-11-95 से 31-10-98	2/4277/92 डी० एल० आई०
4.	मै० हिन्दुस्तान कर्टिलाइजर्स कारपोरेशन लि०, मधुबन-55 नेहरू प्लॉय, नई दिल्ली-110019	डी एल/ 4860	वही विनांक 11-5-92	28-2-93	1-3-93 से 20-2-96 1-3-96 से 28-2-99	2/727/82 डी० एल० आई०
5.	मै० जुषिटर प्रिलिस्टी कं० 108, भूर्या किरण के०जी० मार्ग नई दिल्ली-110001	डी एल/ 8614	वही विनांक 18-11-89	30-9-90	1-10-90 से 30-9-93 1-10-93 से 30-9-96 1-10-96 से 30-9-99	2/3273/90 डी० एल० आई०
6.	मै० श्री राम कर्टिलाइजर्स एप्ल कैमिकल्स कीति महल, 19, रजिन्दर प्लॉय नई दिल्ली-110008	डी एल/ 5819	वही विनांक 18-10-92	7-1-95	8-1-95 से 7-1-98 8-1-98 से 7-1-2001	2/778/82 डी० एल० आई०
7.	मै० सेवा इंटरनेशनल सी०-2/9 कम्पनीटी सेटर असोक विहार फेस्ट-1 दिल्ली-82	डी एल/ 8616	वही विनांक 14-5-98	30-9-96	1-10-96 से 30-9-99	3/19/97 डी० एल० आई०

अनुसूची- 1

1. उक्त स्थापना के मानसिक में नियोजक (जिस इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुधर्म को एंग्री रिंजियर्स भेजता और ऐसा लेखा रखता है तथा नियोजित के लिए एंग्री राष्ट्रियाएँ प्रदान करते जो केन्द्रीय भविष्य रिंध आयोजन समिति पर विविष्ट हों।

2. नियोजक पार्से निरीक्षण प्रभारी का ग्राम्यक गास व नमीपैत के 15 दिन के भीतर संदाय करते हों जो केवल य सरकार उद्यम 3 परिवर्तन की भाग 17 की उधारा (2-क) के छण्ड के अधीन रमय-समय पर नियोजित करें।

3. सभी द्वितीय स्कीम के प्रशासन भैं जिशके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, दीमा श्रीमिथस वा संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, हाँ नाने सभी व्याप्ति का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. निर्गुणक, कोशीग मरकार द्वारा अनशेषित सापाहिक श्रीमां शकीम के नियमों को एक पति और जह कभी उसमें गंधोदन किया जाए, तब उस मंशोदन की प्रति लगा छर्सारियों की जह-संख्या की राषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सच्चाना पट्ट प्रकृद्वात् करेगा।

5. यदि कोई कार्यकारी जो भविष्य निर्धारण या उक्त अधिकारियों के अधीन छह माह की स्थापना की भविष्य निर्धारण करता है, तो उसकी व्यापारी संस्था में नियोनित किया जाता है कि नियोजक समूहिक बैमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरावत हर्ड करेगा और उसकी व्यापारी व्यापक आदेशक प्रीमियम भारतीय बीमा बैमा विभाग संबंधित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो निगेज़क सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक हृष से विद्युत किए जाते की विवरस्था करने, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों में अधिक उत्तम हों जो उक्त हृषीक द्वारा अधीन अन्तर्भूत है ।

7. सामिलिक वीणा महोर में जिसी बात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मरण पर हस रखीम के अधीन संवैध गतिशील संसद ने क्षमता दी हो कर्मचारी को पद द्वारा ने संवैध हो दो उस बब्र उक्त क्षमता के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी के दिधिक तरिखां/दाम लिर्विटिंगों को प्रतिकार के रूप में दोनों गणराज्यों के विवरण दिए जा सकते हों।

४. गामिनीक दीमा शर्तीय के संरहणों में कोई भी संशोधन संभवित क्षेत्रीय भवित्वा जिसका आवाका के पर्याप्त अनुसोधन के बिना नहीं किया जायेगा और उन्होंने किसी शर्तीय तर्फ से कर्मनारियों के लिए गर प्रतिक्रिया प्रशास्त एकने की समावाना हो दहाँ क्षेत्रीय भवित्वा जिधा आवाका उपरोक्त तर्फे के पर्याप्त कर्मनारियों को अपना अधिकारण राखने का विविधान अप्रयोग देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सार्वजनिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना अनुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का ग्राहन होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो स्कीम रखद की जा सकती है।

10. यदि फिसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीहर बीमा निवाम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने ने असफल रहता है और पालिसी को आयागत हौस्ते दिया जाता है तो छट रक्षण की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दर्शितीय विधिक वारिरसों को दी दियह छूट लाई गई हो तो उक्त स्फीम के अनुरूप होते, जीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्वा नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैधिक विविध विविध को वीमाकह राशि का मदाय स्वप्रता से और प्रथेक दशा में भागतीय जीठन वीमा निगम से भीमाकह प्राप्त राशि स्वप्रता से और प्रथेक दशा में भागतीय जीठन वीमा निगम से वीमाकह राशि प्राप्त होने के एक भाव के भीतर सन्तुष्टि करेगा।

के ए. विद्यवेदी  
शोलीय भविष्यत निर्माण आयुक्त

सा. का. 2/1959/डी. एल. आइ<sup>१</sup>/भाग-1/36029—जहाँ  
 अनुसूची-1 म<sup>२</sup> उपिलेख नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
 उक्त स्थाना कहा गया है) कर्मचारी प्रिया निधि और प्रकोण  
 उपदस्त्र अधिनियम 1952 (1952 का 19) की भारा की उप  
 भारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसके  
 पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

कांकिक क्षेत्रीय भवित्व निश्चिय आग्रह से इस बात से संतुष्ट है कि उद्दल स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशबास प्राप्त नहीं करते और अद्यागती किए दिना जीवन बीमा के स्वरूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृद्धिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चेष्ठ सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से उपर्युक्त अनुकूल है जिससे इसके प्रशासन स्कीम कहा यथा है।

अग्र: उक्त अधिकारियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) हवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभा इसके माथ संसदन अनुसंची में उत्तिलित हराई के अनुभार कल्पनीय भविष्य निधि आयुक्त ने इसके उक्त स्थानों को प्रतीक के भास्मने उत्तिलित पिछली नारील मे प्रभावी जिस तिथि मे उक्त स्थानों को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उक्त अधिकारियम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत दुल प्रशान की है, 3 वर्ष की अवधि दे लिए उक्त स्कीम के मंसाग्रह ढी क्लॉट-प्रबाल कर दी है।

## अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	दूट की प्रभावी केंद्रों निः अधि- तिथि	फाइल नं.
1.	मैंटॉट केबल लिंग, शीश महल कथार्डल्स, नैनीताल, यू. पी. 263126	यूरी/6559	1-2-90 से 15 (47) डीएलआई/ 31-1-93 यूरी/87 1-2-93 से 31-1-96 1-2-96 से 31-10-97	
2.	मैंटॉट दी यू. पी. ० स्टेट लैबर डेवलपमेंट एण्ड मार्किटिंग कार्यपालिंग १६/७ सदर भट्टी कोसिंग अगरा-२८२००३	यूरी/5929	1-12-80 से 15/48/डीएलआई/ 30-11-83 यूरी/97 1-2-83 से 31-11-86 1-12-89 से 30-11-89 1-12-89 से 30-11-92 1-12-92 से 30-11-95 1-12-95 से 31-10-97	
3.	मैंटॉट प्रकाश प्रॉस्ट्रियूशन लिंग; ५ केंद्रों स्टोन मुरादाबाद रोड काशीपुर जिला— नैनीताल, यू. पी. ०	यूरी/16082	1-1-94 से 15/49/डीएलआई/यू. पी. 31-12-96	

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संघीय भविष्य निधि आयक्त को एसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा सेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय-साथ एवं निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रगारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की तपाधा (2-क) के संषेष्ठ के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लक्षाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रभियम का संदाय, लक्षाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की छह-संख्या की भागा में उसकी सम्बन्ध वाली का अनुबाद स्थापना के सच्चापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन छोट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि का

पहल ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सदस्य को रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वावत आवश्यक प्रीमियम भारनीय शीघ्र वीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के आधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मरण पर इस स्कीम के अधीन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर इतिहास पड़ने की संभावना हो, तब व्यक्तीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्थापित करने का योक्तव्यकृत अवसर होगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर इतिहास पड़ने की संभावना हो, तब व्यक्तीय भविष्य निधि आयक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्थापित करने का योक्तव्यकृत अवसर होगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस मासूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ३ पंगा चूको हैं, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राहित से कम हो जाए तो रद्द हो जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियह सारीष के भीतर बीमा नियम नियत करें ग्रीमियम का संदर्भ करने में असफल रहता है और पानियों को व्यापक होने दिया जाता है तो छठ रद्द हो जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा ग्रीमियम के संदर्भ में किए गए व्यक्तिकर्म की दशा में उन मह सदस्यों के नाम नियोजितों द्वारा विधिक वारियों को दी गई हों तो उस स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संबंध का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उनक स्थापना के भवित्व में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाली विनी स्वदेश की मत्त्य होने पर उसके हल्काग नाम/निदैवित्त/विधिक वारियों को बीमाकृत राजित संवाद संघरण से और प्रत्येक दशा से भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमा ग्राहक राजित संघरण से और प्रत्येक दशा से भारतीय जीवन बीमा नियम से दोमाकृत राजित ग्राहक होने के एक भाव के भीतर मनिषित करेगा।

कै. ए. दिव्यदेवी  
क्षेत्रीय भविष्य नियित आयोग

नंदा विल्ली-66, दिल्ली 27 जनवरी 1999

ग. २/१०५०/डी. पल. आर०/भाग-१/३६२५८—  
जहा अनुसूची-१ में उल्लिखित नियोजकार्यों ने (जिसे इसमें इसके पञ्चात् उक्त स्थापना कहा गयी है) कर्मचारी भविष्य नियित अंतर्कीर्ति उत्तरदायित्व १९५२ (१९५२ का १९) की धारा की उप धारा २ (क) के अन्तर्गत छठ के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें छठ के पञ्चात् उक्त अंतर्कीर्ति द्वारा गया है।

चक्र केन्द्रीय भविष्य नियित आयोजन इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या ग्रीमियम की अशायी विवादों द्वारा जीवन लाभों से भागीदार जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम या नाम उठा रहे हैं जोकि उसमें सर्वानुभावों के लिए कर्मचारी नियंत्रण सहबाध बीमा स्कीम १९७६ के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक उन्नत है (जिसे इसके पञ्चात् रूपों कहा रखा है)।

अतः उक्त अंतर्कीर्ति की धारा १७ की उपधारा २(क) द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माध्यम संबंधन अनुसूची में उल्लिखित जर्मी के अनुभाव केन्द्रीय भविष्य नियित आयोजन में प्रत्येक उक्त स्थापना को प्राप्ति के भावने उल्लिखित विविध नामों से प्रभावी जिस स्थिति से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य नियित आयोजन सम्बद्ध प्रदेश ने स्कीम की भारा २८(७) के अंतर्गत छील प्रदान की है, ३ वर्ष की अधिकता के लिए उक्त स्कीम के संबंधन वो छठ प्रदान कर दी है।

### अनुसूची-१

#### क्रम ० में स्थापना का नाम व पता

क्रम ० में स्थापना का नाम व पता	कोड में	छठ की प्रभावी नियि	के० भ० नि० आ० फा० न०	
१	२	३	४	५
१. मै० के० सौहस्मद ग्राहक बादर्म पाटोमिटा विजयवाडा-५२०००६ (आ० प्र०)	एपी/६९६९	१-३-१९३ मे २८-२-१९६	१/१९/१९८/डीएलआई	
२. म० निजाम क्लेव माईकावाद हैदराबाद-५००००४	एपी/१९५०	१-३-१९६ मे १-१२-१९५ मे ३०-११-१९५	१/४०/१९८/डीएलआई	
३. मै० प्रकाश ए० जी० आयरन काम्पिंग प्रा० लि० प्रकाशमण्डर उत्कापाण्डि, विजयवाडा-५२११०८	एपी/३०१९५	१-३-१९८ मे २८-२-२००१	१/४१/१९८/डीएलआई	

1	2	3	4	5
4.	मैं० विजय कृष्णसुपर बाजार (ए पूनिट आफ वी० सी० सी० स्टोर्स लिं०), ब्रान्डार मार्ग, विजयवाडा।	एपी/2625	१-२-९० से ३१-१-९३ १-२-९३ से ३१-१-९६ १-२-९६ से ३१-१-९९	१/४२/९८/डीएलआई
5.	मैं० नगरजूना इन्वर्सटेंट्स मर्किम लि०, नगरजूना हिल्स, हैदराबाद-५०००८२	एपी/24167	१-५-९३ से ३०-१-९६ १-५-९६ से ३०-४-९९	१/१५/९८/ऐपी
6.	मैं० हिल्टन टम्ब्राकूस प्रा० लि०, एच-१, समाइट कम्पलैक्स, माईफाबाद, हैदराबाद-४	एपी/एच/18535	१-३-९२ से २८-२-९५ १-३-९५ से २८-२-९८ १-३-९८ से २८-२-२००१	१/४३/९८/ऐपी

## अनुसूची-२

१. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निरीक्षण को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जॉक्स रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूचिभाइंड प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निरीक्षण आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

२. नियोजक एसी निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाइष के १५ दिन के भीतर संदाय दरेगा और केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भारा १७ की उपधारा (२-क) के स्वाक्षर के अधीन समय-समय पर निवेश करें।

३. सामूहिक भीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, भीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी घटों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

४. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक भीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाय स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

५. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निरीक्षण के अधीन स्थूल प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निरीक्षण का पहले से ही सवाल्य है, उसको स्थापना में नियोजित छिपा जाता है तो नियोजक सामूहिक भीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम भरत द्वारा करेगा और उसकी बाब्ल आवश्यक प्रीमियम भरतीय जीवन भीमा नियम को द्वारा करेगा।

६. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक भीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें किंवद्दन कर्मचारियों के लिए सामूहिक भीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

७. सामूहिक भीमा स्कीम में किसी दात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दधा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध कार्यालय/नाम निर्देशिलों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा :

८. सामूहिक भीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन मंबंधित क्षेत्रीय भविष्य निरीक्षण के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन ग्रंथि कर्मचारियों के हित पर प्राप्तिकूल प्रभाव पहुँचे की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निरीक्षण आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना हीष्टकोण स्पष्ट करने का यक्तिभूत अवमर देगा।

९. यदि किसी कारणवश आपना के कर्मचारी भारतीय जीवन भीमा नियम की उम सामूहिक भीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है अबीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम नहीं जाये तो रद्द की जा सकती है।

१०. यदि किसी कारणवश इस नियम लागू के भीतर जो भारतीय जीवन भीमा नियम नियन्त्र करे, प्रीमियम भरत संदाय करने में अमर्लन रहता है और पालिमी की व्यवस्था नहीं दिया जाता है तो इस रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गये किसी व्यक्तिक्रम की बात में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशित या विधिक वार्ताओं को दर्शाएँ यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, वीमा नाभों के संदाय का उत्तरवाचित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस के हक्कदार नाम निर्देशित/विधिक वार्ताओं को बीमाका राशि का संदाय तत्पत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम में दीशाकृत राशि तत्पत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम से बीमाका राशि वापस होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करता।

के. प. दिव्येशी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी.एल.आई./एक्जम./98/भाग-1/  
36268—उहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य

अनुसूची-1

क्र० सं० स्थापना का नाम और पता

कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ० नि० आ० फाईल सं०
---------	---------------------	-----------------------

1. मै० रोमसन्स मैडीकोन्स  
ई-20, फाऊण्ट्री नगर,  
आगरा-282006

यूपी/16244	1-1-92 से 31-12-94	15/डीएलआई/ यूपी/98
	1-1-95 से	
	31-12-97	
	1-1-98 से	
	31-12-2000	

2. म० ऑटोमैटिव प्रोडक्ट्स  
कम्पनी, 73, इण्डस्ट्रीयल  
स्टेट, नुनेह, आगरा-282006

यूपी/4072	1-2-89 से 31-1-92	15/9/डीएलआई/ यूपी/96
	1-1-92 से	
	31-1-95	
	1-2-95 से	
	31-1-98	

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखा-जेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण इभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अनुरूप भीतरीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाए, वीगा-प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण

निधि और प्रक्रीया उपर्युक्त विधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बाह में संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदात या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन वीमा के रूप में भागीदार जीवन वीमा निगम की सामूहिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं औं कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि प्रबद्ध वीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त विवरणियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के मामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उत्तर प्रदेश में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के मंत्रालय की छूट प्रदान कर दी है।

प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उच्च कमी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल्य बाली का अमूल्य स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रशंसित करेगा।

5. यदि ऐसा कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सवार्थ है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के पदस्थ के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ वाली जात है तो नियोजक समूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ हो तो जब उक्त स्कीम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी को विविध वार्षिक/नाम निवृद्धियों को प्रतिकर के रूप में दीनी शर्तियों के बाबत राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संविधान क्षेत्रीय भविष्य नियित आदर्श के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी मंत्रोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य नियित आदर्श अन्मोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना अधिकारी स्पष्ट करने का युक्तियुक्त बयान देगा।

9. यदि किसी कारणवश भविष्याना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम को उसी सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे भविष्याना, पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रख जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त तोने वाली किसी गठि से कम हो जाए तो यह रखने की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश वियोजक उस नियत गारीब के भीतर जीवन बीमा नियत करने प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पारिस्थी को व्यवस्था लेने विद्या जाता है तो छूट रद्द को जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रेमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्षम की वश में उन गत सक्षमों के नाम निवृद्धियों, यदि विविध वारिसों के यदि यह छूट न दी गई होती है तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, तो बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व वियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार गाम निवृद्धियों/विविध वारिसों को बीमावृत राशि का संदाय लेपरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमाकृत राशि लेपरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मूलिकता करेगा।

के. प. दिव्यवेदी  
भारतीय भविष्य नियित आयक्त

सा. ना. 2/1959/झी एल.आई /भाग-1/36274—झां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी रॱचिण नियित और प्रकारीय उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2(इ) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य नियित आयक्त इस बात में मंत्रपट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग विवादान या प्रीमियम की अशायी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठ रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के कर्मचारी नियक सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक बनकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अनु: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शक्तों के अनुमार केन्द्रीय भविष्य नियित आयक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना के भौतीय भविष्य नियित आयक्त उत्तर प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढोल प्रशासन की है। 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

### अनुसूची-1

#### क्रम सं. स्थापना का नाम और पता

क्रम सं.	छूट की प्रभावी तिथि	क्रमांकित आयक्त की फाईल सं.
1. मै.० प्रेम मोटर्स, आगरा मथुरा बाई पास मार्ग, आगरा-282005	यूपी/16560 1-8-94 से 31-7-97 1-8-97 से 31-7-2000	15(12)98/ डीएलआई
2. मै.० देवगांती फूड्स लि.०, 12 वां कि.० मी.० डिस्ट्रॉन्स स्टोर, आगरा-वेली हाईवे आगरा-यू.पी.०	यूपी/17727 1-3-95 से 28-2-98	15(11)98/ डीएलआई

अनुसूची-2

1999 (फाल्गुन 1, 1920)

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसे विवरणों भरेगा और ऐसा लेखा जोखा रखना तथा निरीक्षण के लिए एसी मुद्रिधार प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यक्ष भाषा की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की भारा 17 की उपधारा (2-क) के बांध के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कोम के प्रणाली में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों को प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्वरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय अपैद भी है, होने वाले सभी व्यर्थों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, क्षेत्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कोम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें गंभीर दिया जाए, तब उस संशोधन की प्रतीक्षा तथा कर्मचारियों की दहु-माला द्वारा भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के मूल्य पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कोम के सदस्य के स्थान में उसका नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम को बदलत करेगा।

6. यदि उक्त स्कोम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ देता जाता है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कोम के अधीन कर्मचारियों जो उपलब्ध लाभों से गमूहिक रूप से विकृत किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों को नियोजित सामूहिक वीमा स्कोम की अधीन नाम उपलब्ध लाभों गं अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कोम के अधीन अनुशील हैं।

7. सामूहिक वीमा स्कोम में किसी बात के होने हए भी यदि किसी कर्मचारी की भूत्यु पर इस स्कोम के अधीन संदर्भ गणित से कम है तो कर्मचारी को उस बात में संदर्भ हो ले जब वह उक्त स्कोम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम नियोजितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बगाड़ राशि हा संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कोम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संविधान क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के नियम ही किया जाएगा और जहां किसी गंभीर दिया जाएगा तो नियोजक स्थापना के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की शंखावला हो वहां क्षेत्रीय नियम शशुद्ध स्थापना उनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों ने आपने अपिकारण माला करने का योक्तावाक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणदश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम को उस सामूहिक वीमा स्कोम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कोम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि उस राशि से कम हो आए हो स्कोम रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणदश उस नियत तारीख के भीतर जीवन वीमा नियम नियत करने वाली प्रीमियम का संदाय करने में व्यापक रुक्त होते दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यापक क्रम की दशा में उन भूत सदस्यों के नाम नियोजितों या क्षेत्रीय वारिसों का यदि वह छूट दी गई होती तो उक्त स्कोम के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के संदाय का उत्तराधीन नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कोम के लाभ आने वाले किसी सदस्य की भूत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम नियोजितों/विधिक वारिसों को जीवन वीमा नियम से वीमाकृत प्राप्त राशि तपशील से और प्रत्येक वस्त्र में भारतीय जीवन वीमा नियम गो वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. ए. द्विवेदी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी.एल.आई./एकजम/89/भारा-2/36280  
—जहा अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकाओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि विरुद्धीर्ण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आदान किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अवृद्ध अंश विवरण या प्रीमियम की अदायगी किए जिन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कोम का लाभ उठा रहा है और एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजित सहवद्ध वीमा स्कोम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कोम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदान किया गया कारण हूए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिसंचाना द. तथा नियत या प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है के अनुसारण में तथा नियम अनुसूची-2 के नियोजित क्षतों के रहने होने वाले केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कोम के सभी उपलब्धों वाले संवादान में इधरके उक्त स्थापना को आपा ३ वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के गामने दर्शाया है।

## अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	मरकारी अधिसूचना की मं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट प्राप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1.	मै० डॉडियन नावल कैन्टन मविम नवल नगर, कुलाबा, मुम्बई-5 तथा शाखाएँ	एम एच/ 11896	2/1959/डी एल आई/ पञ्चम/89/पीटी-1, दिनांक 2-4-93	31-5-95 वही	1-6-95 में 31-5-98	2/3999/92/ डी एल आई
2.	मै० महिन्द्रा ए०४ महिन्द्रा लि० इम्प्लिमेंट्स हीविजन, एम० आई० डी० सी० एरिया, हिंगना मार्ग नागपुर-400016	एम एच/ 13804	वही दिनांक 5-2-98	10-10-97 वही	11-10-97 में 10-10-2000	9/18/डी एल आई/ 97
3.	मै० मेकर्स डबलपरमेट मविसज लि० एम एच/ मेकर्स टावर्स, एफ पहली मंजिल, कुफो ब्रेज, मुम्बई-5	एम एच/ 24576	वही दिनांक 22-3-93	29-2-96 वही	1-3-96 में 28-2-99	2/3641/91 डी एल आई
4.	मै० एसोमिण्टड मिमेट क० लि०, सिमेंट हाऊस, 121, एम० के० मार्ग चर्चेट, मुम्बई-20	एम एच/ 4095	वही दिनांक 3-9-92	24-11-94 वही	25-11-94 में 24-11-97 25-11-97 वही	2/658/82/ डी एल आई
						24-11-2000

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पठात नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणीयाँ भेजेगा और एमा लेखा जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक एमे नियोक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समर्पित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के अधीन समय-समय पर निर्देश करें ।

3. मामूलिक बीमा स्कीम के गशासन में जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणीयों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, नियोक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है हानि वाले सभी व्ययों का तहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मीवद्य सामूहिक दीगा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रक्रिया तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मूल्य वालों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा ।

5. यदि कोई एमा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि

का पहन हो सकता है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त बर्ज करेगा और उसकी बाबत आदवयक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ अरेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाने हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों औ उक्त स्कीम के अधीन उन्हें दें ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बाह के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवैध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बषा में संदेश द्दा रा जब दह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक धारियाँ/नाम निर्वाचितों के प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अन्मोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्राप्तिकल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अन्मोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिशक्त अवमर देगा ।

9. यदि किसी कारणबश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन कीमा नियम को उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले ही अपना चक्री है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के द्वितीय कर्मचारीयों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबश उस नियम तारीख के भीतर जीवन वीमा नियम नियत करने प्रीमियम का संबोध करने में असफल रहता है और पालिसी तो व्यापक होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के रूपाय में किये गए किसी व्यक्तिका की दशा में उन सूत गद्दों या नाम निवैशितों या विधिन नामों को यदि यह छाट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, वीमा लाभों के संबोध का उसरवायित नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस सही दृष्टी से आर्थ वाले दियी भवित्व की भाष्य होने पर उसके हकदार नाम निवैशितों/विधिन वार्ताओं की वीमाकृत राशि संशय हत्पत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एवं इसके भीतर सुनिश्चित करेगा।

#### के. ए. द्विवेदी अधीनीय भवित्व नियम वायोग्य

#### अनुसूची-1

क्रम स्थापना का नाम व पता सं०	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट प्राप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1. मै० दि गुजराती डिपो क० लि० जी० जी०/ किराना एस्टेट प्रेग्सि हाई स्कूल के पास, खोखरा अहमदाबाद- 380008	2305	2/1989/डी एल आई/ एकजम/89 पी०टी-1, दिनांक 24-2-92	31-12-93 एवं दिनांक 24-2-92	1-1-94 31-12-96 1-1-97 31-12-99	2/3973/92/ डी एल आई
2. मै० कैडिला कैमिकल्स लि०, 291, जी० आई० डी० सी०, एस्टेट, अंकलेश्वर-393002	3993	वही दिनांक 18-1-94	29-2-96 28-2-99	1-3-96 मे 30-11-95 मे	2/708/82 डी एल आई
3. मै० एन० आई० एफ० मकैनिकल वर्क्स, पो० वी० न० 69, छपरा रोड, नवमारी-396445	6122	वही दिनांक 27-1-94	30-11-95 30-11-98	1-12-95 मे	2/4507/92/ डी एल आई
4. मै० गिनिगान धाम स्कूल, जी० आई० डी० सी० वारी- 396195, जिला वस्ताव, गुजरात।	12957	वही दिनांक 17-10-92	31-12-94 31-12-97 1-1-98 मे	1-1-95 31-12-97 1-1-98 मे	2/2358/89 डी एल आई
5. मै० गुजरात प्रीपैक लि०, दसवीं मंजिल, नेपचून टॉवर, प्रोडक्ट टीविटी रोड, बड़ौदा	16077	वही दिनांक 10-6-93	31-12-95 मे	1-1-96 31-12-98	2/4027/92/ डी एल आई

ग. 2/1959/डी.एल आई./एक्झा/89/भाग-2/36288 —जहाँ अनुसूची-1 में उक्तांकित नियावतांत्रि ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारों भवित्व नियम और प्रक्रीया उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भवित्व नियम आयुक्त द्वारा संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अनेक अंशदाल या प्रीमियम की अवायगी फिर बिना जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि पैसे कर्मचारीयों के लिए कर्मचारी नियंत्रण सहबहूध वीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अ. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदान विवरणीय का उपकार द्वारा हाएँ सभा शब्द संबोध, भारत सरकार/प्रिवेट गवरकार भवित्व नियम आयुक्त की अधिभूतना से, स्थानिय और प्रत्येक ग्राम्या के नाम के सामने दर्शायी गयी है के अनुसार में तथा ग्राम्य अनुसूची-2 के नियंत्रित वर्तनी के रहने हाएँ केन्द्रीय भवित्व नियम आयुक्त ने उद्दत स्कीम के रूपी उपकारों के ग्राम्यान्म से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष तक अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उसके नाम के लाभने दर्शाया है।

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के गम्भीर में नियोजक (जिसे शरके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणिया भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूचिभाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समग्र-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण इभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन छोटीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपाधारा (2-क) के लिए के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामृद्धिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, प्रियोजितों द्वारा प्रमुख नियोजित किया जाता, वीमा प्रीमियम का संबाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संबाय आदि भी है, होते वाले सभी वार्षीय वार्षों का तहत नियोजित द्वारा किया आयोग।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्योदित सामृद्धिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रीह और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, हद उस संशोधन की प्रति तात्पर्य कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य लाभों का उनवाद स्थापना के मूल्य पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्ता अधिनियम के अधीन छूट ग्राह कियी स्थापना की भविष्य निधि को पहले ही सदर्श है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामृद्धिक वीमा स्कीम द्वारा शिक्षण के रूप में उसकी नाम हरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाबत आपेक्षक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम संधर्स करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामृद्धिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सामृद्धिक स्तर में वर्दिष्ट किए जाने की अवधारणा करेगा, जिसमें नियोजित कर्मचारियों के लिए सामृद्धिक वीमा स्कीम की अधीन लाभ उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन उन्नेय है।

7. सामृद्धिक वीमा स्कीम में विभीत वात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मूल्य पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम हो जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ हो तो जब तक उक्त स्कीम के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी की विविध कार्यालय/गाँव नियोजितों की प्रतिकार के रूप में विनाशी गणियों के अंतर के विवरण राशि का संबाय करेगा।

8. सामृद्धिक वीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संवर्तन अंशीय भौतिक विविध आशकृत के दर्ज अनुशासन के विनाशी विना जारीगा और उन्होंने जिसी अंशों के उपलब्धियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना तो उन्होंने क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुदोषन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दीर्घकालीन स्थान करने का गतिशील अवमर देगा।

9. यदि किसी कारणबाट स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम की उस सामृद्धिक वीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना द्वाकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी गठि ने काश हो जाने तो ग्रुद की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाट उस नियत सारील के भीतर विधि नियम नियत कर ग्रीष्मियम वा मंदाद करने में असफल रहता है और पालनी वा व्यवस्था ठांसे दिया जाता है तो छूट ग्रुद की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा ग्रीष्मियम के संदर्भ में किए किसी व्यक्तिनामक की दशा में उन गृह संवाधों के नाम दिर्हीशहो वा दिर्हीश नामियों को यदि यह छूट व वी भड़ होनी तो उक्त स्वामी के अंतर्गत होंगे, वीमा लाभों के संदर्भ का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के गम्भीर में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी संदर्भ की शृंखला में पर उसके हकदार वा विदर्हीशहो/प्रियंका वार्षिकों को वीमाकूल राशि संदर्भ ग्रहणरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकूल राशि तात्पर्य से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकूल राशि भाल होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. प. विवेदी  
देशीय भविष्य निधि आयुक्त

ग. 2/1959/डी.एल आइ/प्रक्रम/89/भाग-2/36297  
—जहां अनुच्छी-1 में उन्नियोजित विविक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके एकान्त उपबन्ध स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीया उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 वा 19) की धारा 17 की उपाधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके प्रक्रमान्तर उक्त अधिनियम कहा गया है।

विविक्त कर्मचारीय भविष्य निधि आयुक्त इस वात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के वर्तमानी कोई अन्य अंदाजान या ग्रीष्मियम की अदायगी नियोजित किए बिना वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामृद्धिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियमित संबोधित वीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकारा लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके प्रक्रमान्तर स्कीम कहा गया है)।

इतः उक्त अधिनियम की धारा के उपाधारा 2(क) द्वारा इकान शक्तियों का इकान करने हए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/कोट्टीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिनियम से लधा दिया जो प्रशंसनी स्थापना के नाम के मामले इशारी गयी है के अनुसरण में हथा संलग्न अनुच्छी-2 के नियमित वार्षीय रूप से इकान शक्तियों द्वारा दिया जाने वाले भविष्य निधि वीमा के सभी उपलब्धों के संबोधन से इसके उक्त स्थापना के आपने 3 वार्षीय इकान के लिए छात्र छात्रावास वी भड़ है जैसा कि संलग्न अनुच्छी-1 में उन्नेय नाम के ग्राम द्वारा दिया गया है।

## अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं.	सरकारी अधिसूचना की सं.	छूट प्राप्ति की तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के॰ भ० निः आ० फाईल सं.
1.	मै० रायपुर मैन्यु फैक्चरिंग कं० लि० आउट माइक्रो सारसपुर गेट, अहमदाबाद-380018 (इंडिया)	जी जे/ 294	2/1959 डी एल आई/ एक्जेम पीटी-1/3008 दिनांक 17-10-92	31-5-94 वही	1-6-94 से 31-5-97 1-6-97 से 31-5-2000	2/4085/92
2.	मै० टाटा एस एस एल लि० स्टेशन रोड, तवसारी-396145	जी जे/ 6131	वही दिनांक 2-7-92	31-12-91 वही	1-1-92 से 31-12-94 1-1-95 से 31-12-97 1-1-98 से 31-12-2000	2/ई डीएल आई/ एम आई एस सी/ 97
3.	मै० गुजरात रुख हाउसिंग फाइनेंस कारपोरेशन लि०, अस्थिका हाउस, विहाइंड सी० य० साह कालेज, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380014	जी जे/ 10614	वही दिनांक 20-5-93	31-1-94 वही	1-2-94 से 31-1-97 1-2-97 से 31-1-2000	2/4824/93
4.	मै० अनन्दालय (अनन्दालय एजूकेशन सोसायटी रजि०) एन० डी० डी० बी० कैम्पस, अनन्द-388001 (गुजरात)	जी जे/ 13901	वही दिनांक 31-8-92	31-7-94 वही	1-8-94 से 31-7-97 1-8-97 से 31-7-2000	2/4210/92/ डी एल आई
5.	मै० कलपत्र पावर ट्रांसमिशन निः० 101, भाग-II जी० आई० डी० सी० एस्टेट, सेक्टर-28, गोधी नगर-382028 (इंडिया)	जी जे/ 15884	वही दिनांक 15-4-93	31-5-95 वही	1-6-95 से 31-5-98	2/4794/92/ डी एल आई

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके वस्त्रात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विधिग्रन्थि भेजेगा और लेखा जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी संविधान प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि शायुक्त समर-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे नियोजन प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति वो 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय गणकार उक्त विधिनियम की धारा 17 की उपायग (2-क) के लाई उसकी अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. भारीहीं दीमा स्कीम के प्रलापन से जितको अन्तर्गत लेखाओं का २० जाना, विवरणों को प्रसाह दिया जाना, दीमा प्रीमियम का बंदाय लेखाओं का अंतरण, नियोजन प्रभारी

का संदाय, आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीमों की एक प्रीति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, हब उसे संशोधन की प्रति संथा कर्मचारियों की छह-संल्या की भाषा में उसकी मूल्य दालों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि वा पदले से ही सदम्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम दूर्घट दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कैम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाम नहीं है तो नियोजक समूहिक वीमा स्कैम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नामों में सामाजिक रूप में दर्दित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें किंवद्दन स्कैम के लिए सामाजिक वीमा स्कैम के अधीन लाभ सुपूर्णता नामों से अधिक अनुकूल है जो उक्त स्कैम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक वीमा स्कैम में किसी दात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस रकीम के अधीन सदैये राशि उस गणित में कम है औ कर्मचारी को उस दाता भूमि स्वरूप हो से जब वह उक्त स्कैम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैशिती को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के ट्राबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कैम के लाभबंध में कोई भी गंदीजन अंतर्भूत भविष्य निर्धारित कायदत के पर्याय अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जल्दी संभोग से कर्मचारियों के हित पर इसके अभाव छहने की संभावना है, वहाँ कोई भविष्य निर्धारित कायदत अपना अनुमोदन देने वो पर्याय कर्मचारियों को अपने हाईटकोण म्यूष्ट करने का यक्षित छत्र अवसर होगा।

9. यदि किसी कारणस्वरूप स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम की उस सामूहिक वीमा स्कैम के जिस स्थापना पहले अपने खुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कैम

के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि भी कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणस्वरूप उस नियत तारीख के भीतर जो आरंभी जीवन वीमा नियम विवर करें, ग्रीमियम का संग्रह करने में असफल रहता है और पारिसी को व्यवस्था होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक व्यापार ग्रीमियम के संदाय में किए गए अनिवार्य की दशा में उन स्तर स्वरूपों के नाम नियोजितीयों या विधिक शारीरिक लोगों द्वारा यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कैम के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकार नियोजक वर्ष होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कैम के अधीन दोनों वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके तुकदार नाम नियोजितीय/विधिक वारिसों की वीमाकृत राशि संदाय नियतरता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर संनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे  
भारतीय भविष्य निर्धारित आयकृत

सालारजंग संग्रहालय के अधिनियम 1962 के नियम 13 के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिनियम को अनुमोदित किया जाता है।  
सेवानिवृत्ति आयु :-13, मण्डल द्वारा कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति की आयु 60 वर्ष के लिए अनुमोदित किया गया है।

१०/-अपठनीय

संक्षिप्त

सालारजंग म्यूजियम बोर्ड

#### भारतीय भेषजी परिषद

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1998

फ० नं० 17-1 98-पी० बी० आई०-12447-678--भारत के राजपत्र संख्या 345, भाग-III, खण्ड-4 दिनांक 7-11-98 में पृष्ठ संख्या 3826 पर प्रकाशित भारतीय भेषजी परिषद के 64 वें अधिनियम में पारित संकल्पों के संदर्भ में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

#### पुष्टिपत्र

पढ़ें

- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1109
- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1110
- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1111
- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1112
- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1113
- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1114
- प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1115

1. पृष्ठ संख्या 3810, 3811, 3812 और 3813 पर

के स्थान पर

सं० 64 पी० सी० आई०/1109

सं० 64 पी० सी० आई०/1110

सं० 64 पी० सी० आई०/1111

सं० 64 पी० सी० आई०/1112

सं० 64 पी० सी० आई०/1113

सं० 64 पी० सी० आई०/1114

सं० 64 पी० सी० आई०/1115

2. पृष्ठ संख्या 3820, प्रस्ताव सं० 64 पी० सी० आई०/1134 की न्यारहीं पंक्ति में

के स्थान पर

करन अथवा उक्त परीक्षा या पास कर लें

3. पृष्ठ संख्या 3824, प्रस्ताव संख्या 64/पी० सी० आई०/1153 की छठी पंक्ति में

के स्थान पर

फार्मेसी परीक्षा सभी अनुमोदित

पढ़ें

करने पर अथवा उक्त परीक्षा पूरी या पास कर लें

पढ़ें

फार्मेसी परीक्षा तभी अनुमोदित

RESERVE BANK OF INDIA  
DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS  
CENTRAL DEBT DIVISION  
MUMBAI

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of 20th April 1946 (as amended under the Notification No. F(8)/70-B/52 dated 29th April, 1954 and the Notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended December, 1999 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two parts List "A" being securities now advertised for the first time and list "B" the rest of securities previously advertised:

List "A"

No. of Security	Value in Rs./Grams.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and or payment of discharge value	No. and date of order issued
10 % Relief Bonds 1995 (Kanpur Circle)					
KN. 000570	10,00,000/-	Ritu Mehrotra and Urmila Mehrotra Either or Survivor	Cumulative	Ritu Mehrotra and Urmila Mehrotra	IR. 721/67 (File No. 09-12-268) dated 11-11-1998
3 % Conversion Loan 1946 (Calcutta Circle)					
CA-302390	Rs. 4000/-	Registrar, Utkal University	Interest upto 44th Half-year paid	Registrar Sambalpur University	File No. 1-2530 General Manager's Order dated 19-11-98 vide Dy. No. LCO/66 dated 19-11-98
5 3/4 % Loan 2003 (Mumbai Circle)					
BY-009336	15,000/-	Bank of Baroda	12-5-1984	Trustees Wander Ltd. Empl. Provident Fund	Case No. 20-04-1987 General Manager's Orders dated 2/1/1999 C.O. Diary No. 586 dated 04-1-1999
BY-009341	5,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
BY-015132	1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
BY-015133	1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
BY-015134	1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.
BY-015245	10,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.

List "B"

No. of Security	Value in Rs./Grams.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and or payment of discharge value	No. and date of order issued
1.	2.	3.	4.	5.	6.

Gold Bond 1998 (Mumbai Circle)

BY/RCA/001424	513 gms	Shri Bhagwati Prasad Siotia	09-06-1993 (payable on maturity)	Shri Bhagwati Prasad Siotia	Case No. 20-04-2091 General Manager's Orders dated 11th November 1998 CO Diary No. 435 dated 12-11-1998
---------------	---------	-----------------------------	-------------------------------------	-----------------------------	---

1	2	3	4	5	6
BY/RCA/002322	523 gms.	Rahul Siotia (Minor)	Do.	Rahul Siotia (Minor)	Case No. 20-04-2091A General Manager's Orders dated 11th November 1, 1998 C.O. Diary No. 435 dated 12-11-98

## 9% Relief Bonds, 1987 (New Delhi Circle)

DH-004424	350000/-	Chunni Haksar & Vinit Haksar	Nil	Chunni Haksar & Vinit Haksar	PDO/DT/LN-2/98 dated 14-10-98
DH-004364	2,50,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.

## Gold Bond 1998 (Mumbai Circle)

BY/SLA/000151 to 000157	500 gms each	Shri Avinash Chander and Smt. Neelima Gupta	20-05-1993 (payable on maturity)	Shri Avinash Chander and Smt. Neelima Gupta	Case No. 20-04-2085 General Manager's Orders dated 06-10-1998 CO Diary No. 320-A of date.
BY/SLA/000158	985 gms.	Do.	Do.	Do.	Do.

## 10% Relief Bonds, 1993 (Non-Cumulative) (Chennai Circle)

MS-000070	25,000/-	C.N. Kamalakshi and K. Bhuventhirababu	4-6-93	K. Bhuventhirababu	G.M. Diary No. 14 dated 23-10-98
-----------	----------	--	--------	--------------------	----------------------------------

## 9% Relief Bond 1993 (Non-Cumulative) (Chennai Circle)

MS-000174	50,000/-	C.N. Kamalakshi and K. Bhuventhirababu	10-10-94	K. Bhuventhirababu	G.M. Diary No. 14 dated 23-10-98
MS-000191	45,000/-	Do.	27-10-94	Do.	Do.

## 10% Relief Bond 1995 (Non-Cumulative) (Chennai Circle)

MS-000319	30,000/-	Do.	25-07-96	Do.	Do.
MS-000293	40,000/-	Do.	20-06-96	Do.	Do.

## 10% Relief Bonds, 1993 (Byculla Circle)

BC-000873	5,00,000/-	Ena Fernandes Velloz (Deceased) Heather De'Sa	19-8-93	Heather De'Sa	06-25-25 2-11-98
-----------	------------	---	---------	---------------	---------------------

## 9% Relief Bonds, 1993

BC-001300 to 001306	7,00,000/- (7 × 1,00,000)	Natwar Mulchand Parekh (deceased) Jayanti Natwar Parekh	8-11-94	Jayanti Natwar Parekh	06-25-22 11-11-98
---------------------	------------------------------	--	---------	-----------------------	----------------------

## 9% Relief Bonds 1993

BC-001307 to 001321	15,00,000/- (15 × 1,00,000)	Jayanti Natwar Parekh Natwar Mulchand Parekh (deceased)	8-11-94	Jayanti Natwar Parekh	Do.
---------------------	--------------------------------	--	---------	-----------------------	-----

**MINISTRY OF LABOUR**  
**EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION**  
**(CENTRAL OFFICE)**

New Delhi-110066, the 21st January 1999

No. 2/1959/DLI/Exem./89/PLI/36010.—WHEREAS the employees of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

**SCHEDULE-I**

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	
1.	M/s. The Surat District Co. op. Spinning Mills Ltd, Varachha Road, Surat-395006.	GJ/4148	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. I dated 6-4-93	30-6-94	1-7-94 to 30-6-97 1-7-97 to 30-6-2000	2/3864/91/DLI
2.	M/s. Gujarat State Fertilizer Co. Ltd, Fiber Unit, At & P.O. Kharach, Tal, Hansot, Dist Bharuch.	GJ/5238-B	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. I/440 dated 31-5-96	31-5-96	1-6-96 to 31-5-99	2/53261/93/DLI
3.	M/s. The Surat Dist. Co. Op. Bank Ltd, Regd. Office, J.D. Athwagate, Surat.	GJ/4672	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. I dated 6-4-93	26-8-95	27-8-95 to 26-8-98	2/211/79/DLI
4.	M/s. Perfect Colourants & Plastics (P) Ltd, 85, GIDC, Industrial Estate, Vaghodia-391760.	GJ/20305	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. I/2561 dated 26-10-97	28-2-98	1-3-98 to 28-2-2001	2/14/95/DLI

**SCHEDULE-II**

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporations of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of

India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt or claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem./89/Pt.I/36018.—Whereas the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. A.C.C. Ltd, P.O. Okhla Indl. Estate, Mathura Road, New Delhi-20.	DL/127	2/1959/Exem/89/Pt. I dated 10-12-92	26-11-94	27-11-94 to 26-11-97 27-11-97 to 26-11-2000	2/658/80/DLI
2.	M/s. Raunag International Ltd, 13th Floor, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi-19.	DL/2229	Do. dated 27-8-92	3-12-94	4-12-94 to 3-12-97 4-12-97 to 3-12-2000	3/6/97/DLI
3.	M/s. Chaudhary International (P) Ltd, 303, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi-110001.	DL/3551	2/1959/Exem/89/Pt. I/2505 dated 27-8-92	31-10-92	1-11-92 to 31-10-95 1-11-95 to 31-10-98	2/4277/92/DLI
4.	M/s. Hindustani Fertilizers Corp. Ltd, Madhuban, 55, Nehru Place New Delhi-19.	DL/4869	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 11-5-92	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96 1-3-96 to 28-2-99	2/727/82/DLI
5.	M/s. Jupiter Publicity Co. 108, Surya Kiran, K.G. Marg, New Delhi-110001.	DL/8614	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I/ 966 dated 18-11-89	30-9-90	1-10-90 to 30-9-93 1-10-93 to 30-9-96 1-10-96 to 30-9-99	2/3273/90/DLI
6.	M/s. Sriram Fertilizers & Chemicals, Kirti Mehal, 19 Rajinder Place, New Delhi-110008	DL/5819	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 18-10-92	7-1-95	8-1-95 to 7-1-98 8-1-98 to 7-1-2001	2/778/82/DLI
7.	M/s. Seva Enterprises, C-2/9, Community Centre, Ashok Vihar Phase-II, New Delhi-52.	DL/8616	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I/128 dated 14-5-98	30-9-96	1-10-96 to 30-9-99	3/19/97/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/36029.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P.F.C. File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Trans Cables Ltd., Sheesh Mahal, Kathgodam, Nainital, UP-263126.	UP/6559	1-2-90 to 31-1-93 1-2-93 to 31-1-96 1-2-96 to 31-1-97	15(47)/DLI/UP
2.	M/s. The U. P. State Leather Development & Marketing Corporation Ltd., 16/7 Sadar Bhatti Crossing Agra-282003.	UP/5929	1-12-80 to 30-11-83 1-12-83 to 30-11-86 1-12-86 to 30-11-89 1-12-89 to 30-11-92 1-12-92 to 30-11-95 1-12-95 to 31-10-97	15(48)/DLI/UP
3.	M/s. Prakash Industries Ltd., 5 K. M. Stone, Moradabad Road, Kashipur Distt., Nainital, U.P.	UP/16082	1-1-94 to 31-12-96	15(49)/DLI/UP

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to such of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

The 27th January 1999

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/36258.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the

nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, A.P. from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. K. Mohandas and Brothers Patamata, Vijayawada-520006.	AP/6969	1-3-93 to 28-2-96 1-3-96 to 28-2-99	1/19/98/AP/EDLI
2.	M/s. Nizam Club Saifabad, Hyderabad-500004.	AP/1950	1-12-92 to 30-11-95 1-12-95 to 30-11-98	1/40/98/AP/EDLI
3.	M/s. Prakasha S. G. Iron Castings(P) Ltd., Prakash Nagar Enike Padu, Vijayawada-521108.	AP/30195	1-3-98 to 28-2-2001	1/41 /98/AP/EDLI
4.	M/s. Vijaya Krishna Super Bazar A Unit of UCC Stories Ltd.) Bandar Road, Vijayawada-2.	AP/2625	1-2-90 to 31-1-93 1-2-93 to 31-1-96 1-2-96 to 31-1-99	1/42/98/AP/EDLI
5.	M/s. Nagarjuna Investors Service Ltd Nagarjuna Hills Hyderabad-500082	AP/24167	1-5-93 to 30-4-96 1-5-96 to 30-4-99	1/15/98/AP
6.	M/s. Hiltan Tobaccos Pvt. Ltd. 1-1-I, Samrat Complex, Saibabad, Hyderabad-4.	AP/HY 18535	1-3-92 to 28-2-95 1-3-95 to 28-2-98 1-3-98 to 28-2-2001	1/43/98

### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may from time to time, direct under clause(a) sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation, of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assu-

rance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/36268.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Ram Sons Medicos, E-20, Foundry Nagar, Agra-282006.	UP/16244	1-1-92 to 31-12-94 1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 to 31-12-2000	15/7/DLI/UP/98
2.	M/s. Automotive Products Co., 73, Industrial Estates Nunhai, Agra-282006.	UP/4072	1-2-89 to 31-1-92 1-2-92 to 31-1-95 1-2-95 to 31-1-98	15/9/DLI/UP/96

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer

of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the examination shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased

member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI,  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/36274.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Uttar Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	CPFC's File No.
1.	M/s. Prem Motors, Agra-Mathura By Pass Road, Agra-282005.	UP/16560	1-8-94 to 31-7-97, 1-8-97 to 31-7-2000	15(12)/DLI/98
2.	M/s. Devyani Foods Ltd., 12th K. M. Distance Stn <sup>n</sup> , Agra Delhi Highway, Agra (UP).	UP/17727	1-3-95 to 28-2-98	15(11)/DLI/98

#### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance

Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of

India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVFDI  
Regional Provident Fund Commissioner

"No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/36280.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for Exemption	CPFC file No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Indian Naval Canteen Service, Naval Nagar, Colaba, Bombay-5 (alongwith its branches covered under the same Code No.)	MH/11896	2/1959/DLI/Exemp/89/Part-I dated 2-4-93	31-5-95	1-6-95 to 31-5-98	2/3999/92/DLI
2.	M/s. Mahindra and Mahindra Ltd., Implements Division, MIDC Area, Hingna Road, Nagpur-400016.	MH/13804	Do. dated 5-2-98	10-10-97	11-10-97 to 10-10-2000	9/18/DLI/97
3.	M/s. Makars Developments Services Ltd., Makers Towers, 1st Floor, Cuffe Badge, Bombay-5.	MH/24576	Do. dated 22-3-93	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/3641/91/DLI
4.	M/s. The Associated Cement Companies Ltd., Cement House, 121, M.K. Road, Churchgate, Bombay-20.	MH/4095	2/1959/DLI/Exemp/89/Part-I dated 3-9-92	24-11-94	25-11-94 to 24-11-97 25-11-97 to 24-11-2000	2/658/82/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to be lapsed, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I/36288.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. The Gujarat Tea Depot Co. Ltd., Kiram Estate, Near Pragat High School, Khokhra, Mahemdabad, Ahmedabad-380008.	GJ/2305	2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I dated 24-2-92	31-12-93	1-1-94 to 31-12-96 1-1-97 to 31-12-99	2/397/92/DLI
2.	M/s Cadila Chemicals Ltd., 291, GIDC, Estate Ankleswar-393002.	GJ/3993	2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I dated 18-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/708/82/DLI
3.	M/s. N.I.F. Mechanical Works, P.B. No. 69, Chhapa Road, Navsari-39445.	GJ/6122	2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I dated 27-1-94	30-11-95	1-12-95 to 30-11-98	2/4507/92/DLI
4.	M/s. Gnyar Dham School, GIDC Vapi, 396195 Dist. Valsad, Gujarat.	GJ/12957	2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I dated 17-10-92	31-12-94	1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 to 31-12-2000	2/2358/82/DLI
5.	M/s. Gujarat Pre Pack Ltd., 10th Floor, Neptune Tower, Productivity Road, Baroda	GJ/16077	2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I dated 1-6-93	31-12-95	1-1-96 to 31-12-98	2/4027/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employee as compensation.
8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.
9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.
11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.
12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I/36297.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule against their names.

## SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment.	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Raipur MFG Co Ltd. Out Side Saraspur Gate, Ahmedabad-380018.	GJ/294	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I/3008 dated 17-10-92	31-5-94	1-6-94 to 31-5-97 1-6-97 to 31-5-2000	2/4085/92
2.	M/ Tata S.S.L. Limited, Station Road, Navsari-396145	GJ/6131	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I/2112 dated 2-7-92	31-12-91	1-1-992 to 31-12-94 1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 to 31-12-2000	2/EDLI/Misc/97
3.	M/s. Gujrat Rural Housing Finance Co poration Ltd., Ambica House, Behind C.U. Shah College, Ashram Road, Ahmedabad-380014.	GJ/10614	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I/7162 dated 20-5-93	31-1-94	1-2-94 to 31-1-97 1-2-97 to 31-1-2000	2/4824/93

1	2	3	4	5	6	7
4.	M/s. Anandalaya (Anandalaya Education Society Regd.) N.D.B. Campus, Anand-388001 (Gujarat)	GJ/13901	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I/2585 dated 31-8-92	31-7-94 1-8-97 to 31-7-2000	1-8-94 to 31-7-97 1-8-97 to 31-7-2000	2/4210/92/DLI
5.	M/s. Kalpataru Power Transmission Ltd., 101/Part-II/GIDC/Estate Sector-28, Gandhinagar-382028.	GJ/15884	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I dated 15-4-93	31-5-95	1-6-95 to 31-5-98	2/4794/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (A) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance prima, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Schemes approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. A. DWIVEDI  
Regional Provident Fund Commissioner

## SALAR JUNG MUSEUM BOARD

## AMENDMENT PROPOSED TO REGULATION 13 OF SALAR JUNG MUSEUM REGULATIONS, 1962.

Retirement 13. The age of retirement of the employees of the Board shall be 60 years.

DR. C. RANGARAJAN, Chairman

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

New Delhi, the 31st December 1998

CORRIGENDUM

F No. 17-1/98-PCI/12447-678—In the notification of resolutions passed in the 64th meeting of the Pharmacy Council of India and published in the Gazette of India No. 45, Part-III, Section 4, dated 7-11-98 on page Nos. 3844 to 3856 the following corrigendum is issued:

1. On page No. 3844, Resolution No. 64/PCI/1104 in the third column of Nalanda College of Pharmacy, Marriguda, Nalgonda  
For Read  
From 1977-78 to 1998-99 From 1997-98 to 1998-99
2. On page No. 3845, Resolution No. 64/PCI/1107 in first column  
For Read  
NET's Q.E.T. Pharmacy College. NET's N.E.T. Pharmacy College.
3. On page No. 3851  
For Read  
Resolution No. 64/FCI/1129 Resolution No. 64/PCI/1129
4. On page No. 3854, Resolution No. 64/PCI/1/147 in fourth line  
For Read  
the Diploma Course in pharmacy conducted by Chairman the diploma course in pharmacy conducted by Christian

ARCHANA MUDGAL, Asstt Secretary